

Боже мой, в молитве преклоняюсь

Женский хор

Сопрано I
Сопрано II

8 *p*

1. Бо- же мой, в мо- лит- ве пре- кло- ня- юсь пред

Альт

13 *tr*

лю- бя- щим и до- ро- гим, про- ща- ю- щим всё зло- е. Ты О- дин, к Те-

tr

С. I
С. II

19 *cresc.*

бе я об- ра- ща- юсь: "У- слышь ме- ня и об- ра- ти ли- цо Сво-

А. *cresc.*

С. I
С. II

25 *dim.*

ё, Сво- ё ко мне. Я так гру- шу, тос- ку- ю по Те-

А. *dim.*

31

C. I
C. II

tr

бе. Где най-ти

cresc.

Те-бя, О-
cresc.

A.

tr

О, как най-ти

37

C. I
C. II

тец мой ми-ло-серд-ный?

Ви-жу я, среди мо-ря

A.

43

C. I
C. II

dim.

бед го-рят ог-ни. Го-рит во тьме ма-як мой вер-ный.

dim.

A.

50

C. I
C. II

tr

2. Сколь-ко раз ка-сал-ся Ты ру-ка-ми из-би-то-го, из-ран-ен-но-го

tr

A.

56

C. I
C. II

tr

мо-е-го пле-ча. Сколь-ко раз я спал, а Ты но-ча-ми бе-

tr

A.

62

C. I
C. II

рѣг ме- ня и зас-тав-лял во сне ис- кать, ис- кать Те- бя.

A.

69

C. I
C. II

mf И я ис- кал Те- бя всю ночь вез- де. Я ис- кал

A.

75

C. I
C. II

cresc. Те- бя, О- тец мой ми- ло- серд- ный.

A.

mf и я на- шёл

81

C. I
C. II

Ви- жу я, среди мо- ря бед го- рят ог- ни.

A.

dim.

cresc.

86

C. I
C. II

Го- рит во тьме ма- як мой вер- ный.

A.

91

C. I
C. II

8 *p*

3. Сколь - ко раз мне слё - зы у - ти - рал Ты ког - да мне не хо -

A.

104

C. I
C. II

mf

те - лось жить и гас - ла жизнь мо - я. Вновь вста - вал и

A.

mf

109

C. I
C. II

вновь ис - кал Те - бя я. Как слеп я был! Не за - ме - чал, что ря - дом

A.

115

C. I
C. II

p *f*

Ты со мно - ю был. Ни ра - зу Ты не по - ки -

A.

p *f*

120

C. I
C. II

mf

дал ме - ня. О, Гос - подь,

A.

mf

как я хо - чу

126 *cresc.*

C. I
C. II

в Те-бе на- ве- ки рас-тво- рить- ся. Жизнь мо- я!

A. *cresc.*

132 *dim.*

C. I
C. II

Я вновь и вновь ды-шу То- бой. Мо- я ду- ша к Те-бе стре-

A. *dim.*

137 *tr*

C. I
C. II

мит- ся. Мой Бог...

A. *tr*